प्रसार भारती
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
11.09.2024 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

प्रदर्शन

राजधानी शिमला के उपनगर संजौली में चर्चित मस्जिद विवाद मामले को लेकर आज विभिन्न हिन्दू संगठनों ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। संजौली में आज धारा 163 लागू होने के बावजूद हिंदू संगठनों ने सड़कों पर उतरकर अवैध निर्माण के खिलाफ नारेबाजी कर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हुई झड़प में एक पुलिस जवान घायल हुआ है जबकि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज के साथ–साथ पानी की बौछारें भी की। इस प्रदर्शन के दौरान संजौली में कारोबारियों ने बाजार में दुकानें बंद रखीं और संजौली से बस स्टैंड की तरफ बस सेवाएं बाधित होने से स्कूली बच्चों सहित आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद दोपहर पुलिस द्वारा स्थिति को नियंत्रित कर संजौली में माहौल सामान्य हो गया। इससे पहले सुबह 11 बजे कुछ प्रदर्शनकारियों ने संजौली पहुंचकर भारत माता की जय और जय श्रीराम के नारे भी लगाए। अपने समर्थकों के साथ संजौली पहुंचे हिंदू जागरण मंच के पूर्व महामंत्री कमल गौतम को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

प्रदर्शन–2

कमल गौतम ने कहा कि हिंदू समाज की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस प्रदर्शन का समर्थन किया लेकिन यहां हिंदूओं की आवाज दबाने की कोशिश की गई। इस बीच देव भूमि संघर्ष समिति ने सोलन में मुस्लिम समुदाय की आबादी बढ़ने पर चिंता जताते हुए उपायुक्त मनमोहन शर्मा के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। समिति के संयोजक गुरदीप सहानी ने बताया कि ज्ञापन में सोलन में इस समुदाय की सही पहचान कर जांच की जानी चाहिए।

विक्रमादित्य सिंह

लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कहा है कि संजौली मस्जिद विवाद मामले में सरकार कानून के दायरे में कार्रवाई करेगी। आज शिमला में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को बनाए रखना और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार का पहला दायित्व है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि ये मुद्दा विधानसभा में भी उठाया गया था और मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया था कि सरकार इस मामले को लेकर पक्ष और विपक्ष के विधायकों की कमेटी बनाएगी। उन्होंने कहा कि इस कमेटी द्वारा दिए गए सुझावों पर सरकार काम

करेगी। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि मामला नगर निगम की आदलत में चल रहा है और जो निर्णय आएगा सरकार उसे लागू करेगी। लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि हिन्दू संगठनों की भावनाओं को सरकार समझती है और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने का सभी को अधिकार है लेकिन कानून व्यवस्था से खिलवाड़ की किसी को भी इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमाचल में सभी धर्मों के लोगों को रहने का अधिकार है, लेकिन कुछ लोग इस मामले पर राजनीतिक लाभ लेने में लगे हैं जो प्रदेशहित में नहीं है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि सरकार बाहरी राज्यों से हिमाचल आने वाले लोगों के खिलाफ नहीं है लेकिन पुलिस वैरिफिकेशन होना जरूरी है ताकि व्यक्ति के इतिहास की जानकारी रहे और किसी भी तरह का माहौल खराब न हो।

अनुराग ठाकुर

पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा है कि संजौली मस्जिद मुद्दे की गहराई तक जाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह के प्रयास न किए जा सकें। अनुराग ठाकुर ने आज कांगड़ा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत के दौरान ये बात कही। उन्होंने कहा कि यह जो नई परिस्थितियां बनी हैं, इसके कई कारण हैं। ऐसी अनेकों घटनाएं हैं जो पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिली हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि सुक्खू सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में नाकाम साबित हो रही है और जो झूठे वायदे कांग्रेस ने किए थे, वो पूरे होते नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की माली हालत इतनी खराब हो गई है कि कर्मचारियों और पेंशनरों को एक–एक हफ्ता अपने वेतन और पेंशन के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनते ही पेट्रोल और डीजल पर दो बार टैक्स बढ़ाए गए और अब दूध व पर्यावरण के नाम पर सेस लगाने की तैयारी है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता पर महंगाई का बोझ डालने का काम कर रही है और जनता से किए वायदे को पूरा नहीं किया जा रहा है।

मणिमहेश

चंबा ज़िला की विश्व विख्यात मणिमहेश यात्रा राधाष्टमी के शाही स्नान के साथ आज संपन्न हो गई। राधाष्टमी के अवसर पर पवित्र डल झील में आज करीब एक लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई और कैलाश पर्वत के दर्शन किए। उपायुक्त मुकेश रेपसवाल ने बताया कि यात्रा शांतिपूर्ण रही और इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रशासन द्वारा सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई। उन्होंने बताया कि इस वर्ष मणिमहेश यात्रा के दौरान करीब 5 लाख श्रद्धालु पहुंचे।

मुख्य संसदीय सचिव

मुख्य संसदीय सचिव सुंदर सिंह ठाकुर ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में किसी तरह का कोई आर्थिक संकट नहीं है। कुल्लू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को एक तारीख की जगह 5 तारीख को वेतन मिला है जो एक तरह का आर्थिक अनुशासन है और इसको लेकर मुख्यमंत्री ने सारे आंकड़े समझा दिए हैं। सुंदर ठाकुर ने कहा कि विपक्ष बेवजह इस मामले को तूल दे रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व की भाजपा सरकार के समय में जयराम ठाकुर ने प्रदेश को कर्ज के बोझ तले डुबाया जिससे आज प्रदेश की आर्थिक स्थिति खराब हुई है और विपक्ष बेवजह इसको तूल दे रहा है।